देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध

सत्र – 2019–2020

प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा योजना

1.	प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)	पूर्णांक – 85 सीसीई – 15	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 28
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)	पूर्णांक – 85 सीसीई – 15	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 28
3.	तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक)	पूर्णांक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक)	पूर्णांक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40
	चतुर्थ सेमेस्टर – इन्टर्नशिप	पूर्णांक – 100	

———— 0 ————

18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

एम.ए. पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध प्रश्न पत्रों के शीर्षक

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त।

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)– भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौन्दर्य शास्त्र।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) – भारतीय संगीत के समान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त।

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)– भारतीय संगीत का इतिहास एवं वाद्य यंत्रो का अध्ययन।

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) – संगीत के व्यवहारिक सिद्धांत एवं कर्नाटक संगीत।

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)– भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनि शास्त्र।

तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) I– राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) II– मंच प्रदर्शन

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) – संगीत के व्यावहारिक सिद्धांत एवं पाश्चात्य संगीत।

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)– भारतीय संगीत का इतिहास, काल निर्धारण एवं संगीत शोध–प्रविधि।

तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) I– राग वादन एवं मौखिक परीक्षा।

चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) II– मंच प्रदर्शन

——— 0 ———

18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

सत्र – 2019–2020

भारतीय संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन :–

1. श्याम कल्याण
2. पूरिया कल्याण
3. देवगिरी बिलावल
4. यमनी बिलावल
5. बागेश्री
6. रागेश्री
7. मारूबिहाग

इकाई – 2

(अ) प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतो का स्वरलिपि लेखन।

इकाई – 3

निम्नलिखित रागांगो का विस्तृत अध्ययन-

1. कल्याण
2. बिलावल

इकाई – 4

(अ) घरानों का उद्‌गम एवं विकास

(ब) भारतीय वाद्य संगीत के प्रमुख घरानों का अध्ययन एवं विशेषताएँ–

सेनिया घराना, इमदाद खां घराना, रामपुर घराना, मैहर घराना

(स) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण वर्णन दुगुन व चौगुन की लयकारिया सहित।

(1) फरोदस्त
(2) आड़ा चारताल

इकाई – 5

निम्नलिखित विषय पर निबंध–

1. संस्थागत संगीत शिक्षण
2. जीवन में संगीत का स्थान
3. संगीत में ताल का महत्व
4. शास्त्रीय संगीत का भविष्य।
5. राष्ट्रीय एकता एवं सद्‌भावना में संगीत की भूमिका
6. संगीत और आध्यात्म

———— 0 ————

18/3/19

(4)

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं सौदर्य शास्त्र

इकाई – 1

(अ) भारतीय संगीत की उत्पत्ति एवं विकास के संबंध में विद्धानों के विभिन्न मत।

(ब) प्रचलित तंत्र वादन शैलियों का अध्ययन। मसीतखानी, रज़ाखानी, फिरोजखानी, तथा अमीरखानी गत आदि की जानकारी।

(स) भारतीय तंत्र वाद्यो का स्थान की जानकारी एवं विषय वस्तु में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्राचीन से लेकर मध्यकाल तक का वर्णन।

इकाई – 2

(अ) रामायण एवं महाभारतकाल में संगीत का विकास।

(ब) पुराणकालीन, स्मृति ग्रंथो मे संगीत की जानकारी।

इकाई – 3

आचार्य भरत कृत "नाट्यशास्त्र" की जानकारी पं. शारंगदेव कृत "संगीत रत्नाकर ग्रंथ" के स्वराध्याय व प्रबंधाध्याय की जानकारी

इकाई – 4

(अ) सौन्दर्य एवं रस की परिभाषा तथा रस के प्रकारों का अध्ययन।

(ब) संगीत में निहित सौन्दर्य–तत्वों का अध्ययन, स्वर, राग, गत, लय का सौन्दर्य।

इकाई – 5

1. कला की परिभाषा।
2. ललित कला के प्रकारों की जानकारी।
3. कला एवं सौन्दर्य का पारस्परिक संबंध।

——— 0 ———

18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक)

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित एवं द्रुतगत आलाप–तान सहित एवं शेष सभी रागों में केवल द्रुतगत का वादन –

1. श्याम कल्याण 2. पूरिया कल्याण 3. देवगिरी बिलावल
4. यमनी बिलावल 5. बागेश्री 6. रागेश्री 7. मारूबिहाग

इकाई – 2

उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन व गत रचना।

इकाई – 3

उपर्युक्त सभी रागों (कुल सात) की मौखिक परीक्षा।

इकाई – 4

निम्नलिखित तालों का हाथ से प्रदर्शन–

1. विष्णुताल 2. विक्रम ताल

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किसी एक राग का विलम्बित एवं द्रुतगत का वादन।

इकाई – 2

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा दिये गये राग में द्रुतगत का आलाप–तान सहित वादन।

इकाई – 3

किसी एक गीत प्रकार का वादन–

1. भजन 2. देशभक्तिगीत 3. गीत 4. लोकगीत 5. धुन

0

18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

भारतीय संगीत के सामान्य एंव व्यवहारिक सिद्धांत

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन :–

1. अहीर भैरव 2. बैरागी भैरव 3. हंसध्वनि 4. शुद्धसारंग
5. मधमाद सारंग 6. मधुवंती 7. कलावती

इकाई – 2

(अ) प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन तथा अन्य ताल में गत रचना।

इकाई – 3

निम्नलिखित राग एवं रागांगो का विस्तृत अध्ययन

1. भैरव 2. सारंग

इकाई – 4

(अ) निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण विवेचन– दुगुन, तिगुन, चौगुन, छः गुन सहित आडा चार ताल, धमार, टप्पा ताल

(ब) भारतीय वृन्दवादन की परम्परा और विकास।

इकाई – 5

निम्नलिखित विद्वानों के जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान–

1. उस्ताद अलाउद्दीन खाँ
2. पं. वी.जी. जोग
3. उस्ताद अब्दुल हलीमजाफर खाँ
4. पं. निखिल बनर्जी

——— 0 ———

18/2/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध

द्वितीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं वाद्य यंत्रों का अध्ययन

इकाई – 1

(अ) मौर्य, गुप्त, यवनकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन।

(ब) जैन एवं बौद्धकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन।

इकाई – 2

निम्नलिखित का अध्ययन–

स्वस्थान नियम, रूपकालाप, रागालाप, आलप्तिगान, आक्षिप्तिका, आविर्भाव, तिरोभाव, अल्पत्व, बहुत्व

इकाई – 3

पं. मतंग एवं पं. अहोबल कृत ग्रंथों का संक्षिप्त अध्ययन एवं संगीत में योगदान।

इकाई – 4

(अ) भारतीय संगीत में वाद्यों का वर्गीकरण (तत, अवनद्ध, घन, सुषिर)

(ब) सितार वाद्य का विकास, अंगवर्णन मिलाने की विधि व हस्त व्यापार

इकाई – 5

(अ) रागों का विभाजन करने का प्राचीन सिद्धांत (ग्रामराग, उपराग, राग, भाषा विभाषा, अन्तर्भाषा, रागांग, भाषांग, क्रियांग, उपांग इत्यादि)

(ब) सामान्य जानकारी– लोकवाद्य, ढोल, दुन्दुभी, खन्जरी, झांझ, करताल

———— 0 ————

VVerma 18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध
द्वितीय सेमेस्टर तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक I

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल आलाप–तान सहित एवं शेष सभी रागों के केवल द्रुतगत का वादन–

1. अहीर भैरव 2. बैरागी भैरव 3. हंसध्वनि 4. शुद्धसारंग
5. मधमाद सारंग 6. मधुवंती 7. कलावती

इकाई – 2

उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन व भजन रचना।

इकाई – 3

उपर्युक्त सभी रागों की मौखिक परीक्षा।

इकाई – 4

पाठ्यक्रम की तालों का हस्तप्रदर्शन

एम.ए. (वाद्य संगीत) पूर्वार्द्ध
द्वितीय सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई – 1

प्रथम प्रायोगिक प्रश्न पत्र की इकाई एक में निर्धारिण रागों में से किसी एक राग का विलम्बित एवं द्रुत गत का वादन सहित।

इकाई – 2

प्रथम प्रायोगिक प्रश्न पत्र की इकाई प्रथम में निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा दिये गये राग के मध्यलय गत का आलाप–तान सहित वादन।

इकाई – 3

निम्नलिखित गीत प्रकारों में से किसी एक गीत प्रकार का वादन

1. भजन 2. गजल 3. गीत 4. लोकगीत

इकाई – 4 एक धुन का वादन।

———— 0 ————

V. Verma 18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध
तृतीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

संगीत के व्यवहारिक पक्ष एवं कर्नाटक संगीत

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन :–

1. गौड़ मल्हार 2. मियांमल्हार 3. कौंसी कानड़ा
4. आभोगी कानडा 5. जोग 6. जोगकौंस 7. किरवानी

इकाई – 2

(अ) पाठ्यक्रम के रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन तथा आलाप

(ब) अन्य तालों में गत लेखन (तीन ताल को छोड़कर)

इकाई – 3

कानड़ा एवं मल्हार रागांगों का विस्तृत अध्ययन व विवरण।

इकाई – 4

(अ) कर्नाटक संगीत के 72 थाटों की रचना का सिद्धांत एवं स्वरों की जानकारी।

(ब) कर्नाटक संगीत के ताल।

इकाई – 5

(अ) सितार वादन के मुख्य अवयव।

(ब) सितार वादन में स्वतंत्र शैली की परम्परा।

———— 0 ————

18/3/19

(10)

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध

तृतीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं ध्वनिशास्त्र

इकाई – 1

(अ) भारतीय संगीत का मध्यकालीन इतिहास–

1. पूर्व मध्यकाल 2. उत्तर मध्यकाल

(ब) सितार वाद्य की उत्पत्ति एवं ऐतिहासिक मान्यताएँ

इकाई – 2

(अ) वाद्य संगीत की प्रस्तुति में संगत के रूप में उपयोग में लाये जाने वाले वाद्यों की जानकारी

1. तबला 2. हार्मोनियम

(ब) निम्नलिखित वाद्यों का विस्तृत परिचय–

1. मत्तकोकिला 2. किन्नरी

6. घंटा 7. वंशी 8. कांस्यताल

इकाई – 3

निम्नलिखित संगीतकारों व ग्रंथकारों का परिचय एवं भारतीय संगीत में योगदान–

1. गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर 2. पं. लालमणि मिश्र
3. पं. रविशंकर 4. उस्ताद विलायत खाँ

इकाई – 4

गायन के विभिन्न गीत प्रकारों का अध्ययन शास्त्रीय संगीत–

1. ध्रुवपद 2. धमार 3. तराना 4. चतुरंग

उपशास्त्रीय संगीत–

1. दादरा 2. कजरी 3. चैती 4. होरी

इकाई – 5 ध्वनि शास्त्र

1. ध्वनि का उत्पादन प्रसारण एवं ग्रहण
2. ध्वनि के प्रकार
3. कंपन एवं आवृत्ति का विवेचन

——— 0 ———

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत)

तृतीय सेमेस्टर तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक I

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों में से किन्हीं तीन रागों में विलम्बित एवं द्रुपगत वादन आलाप–तान सहित–

1. गौड़ मल्हार 2. मियां मल्हार 3. कौंसी कानडा 4. आभोगी कानडा

5. जोग 6. जोग कौंस 7. किरवानी

इकाई – 2

उपर्युक्त रागों में से विलम्बित गत वाले रागों को छोड़कर शेष रागों में द्रुतगत वादन तान सहित।

इकाई – 3

[illegible]

इकाई – 4

तालों का हस्तप्रदर्शन।

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध

तृतीय सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई – 1

परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी एक राग का विस्तृत वादन (विलम्बित एवं द्रुतगत आलाप तान सहित) अंक–40

इकाई – 2

परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी राग में केवल द्रुतगत तान आलाप सहित। अंक–30

इकाई – 3

गीत, गजल, भवन एवं लोकसंगीत में से किसी एक का वादन। अंक–20

इकाई – 4 एक धुन का वादन। अंक–10

———— 0 ————

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध
चतुर्थ सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85
सीसीई – 15

संगीत के व्यावहारिक सिद्धांत एवं पाश्चात्य संगीत

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन–

1. मियां की तोडी 2. गुजरी तोड़ी 3. बिलासखानी तोड़ी
4. भूपाल तोड़ी 5. मधुकौंस 6. चन्द्रकौंस 7. भैरवी

इकाई – 2

पाठ्यक्रम के रागों को स्वरलिपि बद्ध करना।

इकाई – 3

कौंस व तोडी रागांग का अध्ययन।

इकाई – 4

(अ) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धांत।

(ब) सुगम संगीत में उपयोग में लाये जाने वाले तालों का अध्ययन एवं विभिन्न लयकारियाँ

दादरा, रूपक, दीपचंदी, कहरवा, तीनताल, अद्धाताल, पंजाबी

इकाई – 5

पाश्चात्य संगीत शिक्षा

1. पाश्चात्य स्वर तथ स्वरसप्तक
2. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति
3. हार्मनी एवं मेलोडी

———— 0 ————

V Verma 18/3/19

(13)

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध

चतुर्थ सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक)

पूर्णांक – 85

सीसीई – 15

भारतीय संगीत का इतिहास एवं संगीत शोध प्रविधि

इकाई – 1

1. भारतीय संगीत के इतिहास में भक्तिकाल का योगदान।
2. भारतीय संगीत के इतिहास में आधुनिक काल का अध्ययन।

इकाई – 2

हिन्दुस्तानी संगीत पर हिन्दु धर्म एव दर्शन का प्रभाव – संगीत एवं धर्म का संबंध – हिन्दू धर्म एवं संगीत, सिख धर्म एवं संगीत एवं संगीता का दार्शनिक पक्ष।

इकाई – 3

1. संगीत में शोध प्रविधि का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत में शोध की आवश्यकता।
3. संगीत में शोध का क्षेत्र।
4. संगीत में शोध की समस्या एवं सुझाव

इकाई – 4

निम्नलिखित संगीतज्ञों का भारतीय संगीत में योगदान।

1. स्वामी हरिदास
2. तानसेन
3. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ
4. पं. शिवकुमार शर्मा
5. डॉ. एन. राजम
6. उस्ताद अलाउद्दीन खाँ

इकाई – 5

सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि परिभाषाएँ– ध्वनि का अनुरणन, परावर्तन ध्वनि–आवर्तक ध्वनि, विवर्तन प्रतिध्वनि।

———— 0 ————

V. Verm 18/3/19

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

सत्र – 2019–2020

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध

चतुर्थ सेमेस्टर तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक I

पूर्णांक – 100

राग वादन एवं मौखिक परीक्षा

इकाई – 1

1. मियां की तोड़ी 2. गुर्जरी तोड़ी 3. बिलासखानी तोड़ी 4. भूपाल तोड़ी
5. मधुकौंस 6. चन्द्रकौंस 7. भैरवी

1. उपर्युक्त सात रागों में से किन्हीं तीन रागों में विलम्बित एवं द्रुतगत विस्तुत वादन तान आलाप सहित। अंक–40
2. उपर्युक्त सात रागों में से किन्हीं दो रागों में केवल द्रुतगत विस्तृत वादन तान आलाप सहित। अंक–20
3. उपर्युक्त सात रागों में से किन्ही दो रागों में केवल स्वर विस्तार। अंक–10
4. उपर्युक्त सभी रागों की मौखिक परीक्षा। अंक–30

एम.ए. (वाद्य संगीत) उत्तरार्द्ध

चतुर्थ सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्न पत्र (प्रायोगिक द्वितीय)

पूर्णांक – 100

मंच प्रदर्शन

इकाई – 1

प्रथम प्रयोगिक प्रश्न पत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों में से किसी एक राग का विलम्बित एवं द्रुतगत का वादन सहित। अंक–40

इकाई – 2

प्रथम प्रायोगिक प्रश्न पत्र की इकाई प्रश्न में निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा दिये गये राग के मध्यलय गत का आलाप–तान सहित वादन। अंक–30

इकाई – 3

निम्नलिखित गीत प्रकारों में से किसी एक गीत प्रकार का वादन। अंक–20

1. भजन 2. गजल 3. गीत 4. लोकगीत

इकाई – 4

कोई एक धुन वादन। अंक–10

––––––– 0 –––––––

N. Vew 18/3/19